

befreien Dhātup. 33, 69. यो मोचयति संरुद्धमिदं प्रवक्तुं मम Vid. 228. 230. एतेन (यज्ञोपवीनेन) मोचयति भूषणसंप्रयोगम् Mṛkṣh. 48, 4. मोचयतां यत्नमार्गाः so v. a. öffnen PRAB. 26, 6. आधिः — यदि न मोचयते einlösen Jāñ. 2, 38. मोचयित्वा तानश्चान् abspernen MBh. 3, 2884. R. 2, 80, 17. किं न मोचयते रामम् befreien R. 2, 78, 3. R. GORR. 2, 77, 20. MBh. 7, 3604. Mṛkṣh. 33, 24. Vikr. 13, 10. MĀLAV. 73. KATHĀS. 9, 58. 78. 48, 126. BHĀG. P. 6, 2, 37. 8, 1, 31. MĀRK. P. 116, 60. PANĀT. 192, 16. Hit. 43, 13. DAÇAK. in BENF. CHR. 197, 24. मृगं बन्धनान्मोचयित्वा Hit. 23, 11. Ind. St. 3, 373, 6. (नौः) मोचयिष्यति वः सर्वानस्मदेशात् MBh. 1, 5850. स कृच्छ्रान्मोचयत्मानम् 6191. अहं त्वं सर्वपापेभ्यो मोचयिष्यामि (मोचयिष्यामि v. l.) BHAG. 18, 66. मोचयेदेनसः पितृन् M. 3, 37. R. 2, 111, 32. 3, 53, 16. MĀLAV. 38, 9 (संक्रटादात्मानं मोचयावहे zu lesen). किमयं पापस्तिर्यक्त्वात्मोचितस्त्वया KATHĀS. 37, 159. 71, 301. विप्रं मृत्योरमुमुञ्चन् BHĀG. P. 6, 2, 20. PANĀT. 242, 24. DAÇAK. in BENF. CHR. 192, 18. सेयम् — न्याय्या मया मोचयितुं भवतः RAGH. 2, 55. KATHĀS. 32, 172. द्रोणो (von Droṇa) मोचयामास पाञ्चाल्यम् MBh. 7, 3605. (गर्दभः) शस्यन्नेत्रे मोचितः er liess den Esel los, liess ihn frei einhergehen auf Hit. ed. JOHNS. 1706. Etwas fahren lassen so v. a. verausgaben, vergeben: तपसा द्रव्यमासाद्य मोचयेत्साधितेन यः MĀRK. P. 121, 3. — 2) Jmd veranlassen aufzugeben, — fahren zu lassen, — zu entlassen, — von sich zu geben: त्वामप्यश्रं जललवमयं मोचयिष्यत्यवश्यम् Megh. 91. वाजिनः — श्रायूषि — श्रमोचयत् BHATT. 9, 67. — 3) erfreuen Dhātup.

— desid. 1) मुमुक्षति, °ते a) act. frei zu machen im Begriff stehen: मुमुक्षति वत्सं कृष्णः P. 7, 4, 57, Sch. fahren zu lassen —, aufzugeben im Begriff stehen: प्राणान्कस्मान्मुमुक्षति KATHĀS. 73, 18. zu schleudern im Begriff stehen: वज्रं मुमुक्षन्निव वज्रपाणिः RAGH. 2, 42. — b) med. sich zu befreien gewillt sein: मुमुक्षते वत्सः P. 7, 4, 57, Sch. VOP. 19, 13. मुमुक्षतामणा उत या मुमुक्षे RV. 10, 111, 9. यत् — न मुमुक्षेय बन्धनात् BHĀG. P. 3, 23, 57. act.: गतिस्त्वं मुमुक्षताम् MBh. 3, 167. — 2) मोक्षते a) sich zu lösen suchen, — wünschen, Rettung suchen P. 7, 4, 57. VOP. 19, 13. मोक्षते वत्सः स्वयमेव P., Sch. त एनं बद्धं मोक्षतामणा श्रवगमयति KATH. 11, 6. — b) sich befreien von (acc.): मोक्षिष्ये मनसो ज्वरम् MBh. 13, 115.

— desid. vom caus. zu befreien (von den Banden der Welt) gewillt sein: यं तु मुमोचयिष्यति देवाः ÇĀṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 234. — Vgl. मुमोचयिषु.

— श्रति pass. vermeiden, entgehen; mit acc.: सर्वान्पाशान्सर्वान्स्थान्मृत्योरतिमुच्ये AIT. BR. 3, 14. रत्नास्पतिमोक्षयामहे ÇAT. BR. 3, 4, 8, 8. निघाय वासा ऽतिमुच्यते 5, 2, 2, 5. मृत्यून् 4, 1, 14, 4, 1, 13. 6, 1, 5. TS. 6, 6, 2, 2. ÇĀṆK. BR. 13, 3. 13, 5. KENOP. 2. — desid. med. sich retten vor (acc.): यथाग्निं प्रदाव्यमतिमोक्षतामणाः ÇĀṆK. BR. 16, 7.

— श्रधि, partic. in श्रधाधिमुक्त voller Vertrauen Burn. Intr. 268, N. 1. Vgl. श्रधिमुक्ति.

— श्रभि loslassen: नाधर्मः कारणापेक्षी कर्तारमभिमुञ्चति MBh. 12, 10949. schleudern, abschiessen: श्रभ्यमुञ्चत — शरवर्षाणां 7, 3967.

— श्रव ablösen AV. 8, 2, 2. abspernen: कृपांस्तानवमुच्ये MBh. 3, 2870. loslassen, fahren lassen VARĀH. BRH. S. 51, 27. ablösen, ausziehen: चित्रान्सनाहानवमुञ्चतु चेषां वासांसि दिव्यानि च भानुमन्ति MBh. 2, 2520. श्राशो-विषय कुडस्य पाणिमुच्यम्य दक्षिणाम् । श्रवमुच्य प्रदेशिन्या दंष्ट्रामादातुमि-

च्छसि ॥ 4, 1543. med. von sich abstreifen, ablegen: मृत्योः पट्टीशमवमुञ्चमानः AV. 8, 1, 4. सुखं मुञ्चः खान्यवमुच्य शेते जीर्णी लचं सर्पं श्वावमुच्य Spr. 4703. मेखलाम् GOBH. 3, 4, 17. श्रवमुच्य किराटम् MBh. 2, 895. भूषणान्युत्तरीयाणि वेष्टनान्यवमुच्य 11, 801. (स्वमत्तकम्) स्वकाण्ठादवमुच्य HARIV. 2049. R. 2, 9, 47 (8, 54 GORR.). 6, 112, 91.

— व्यव von sich ablösen, ablegen: पाङ्के व्यवमुच्य R. 2, 112, 22.

— श्रा 1) anlegen (Anderen oder sich ein Kleidungsstück, einen Schmuck): मातलिस्तस्य माहेन्द्रमामुमोच तनुच्छदम् RAGH. 12, 86. श्रामुञ्चतीवभरणां द्वितीयं ते 13, 21. नूपुरयुगलमामुच्य MĀLAV. 37, 19. श्रामुच्यमानाभरणा KUMĀRAS. 7, 21. श्रामुञ्चतीं (partic.) च वर्मोणि MBh. 1, 4095. श्रामुच्य कन्धूपरिहाटके श्रुभे 4, 301. कवचाभ्यामुच्य शरीरेषु 1027. 14, 1687. श्रामुच्यार्थं वर्मं HARIV. 13118. श्रामुमुचे किराटं मालां च ebend. und 13087. श्रामुञ्चद्वर्मं BHATT. 17, 6. श्रामुक्तं angelegt AK. 2, 8, 2, 33. H. 765. HALĀ. 4, 62. °कवच MBh. 1, 2783. 5, 2005. श्रामुक्ताभरणा RAGH. 17, 25. 16, 74. RĀGA-TAR. 3, 241. MBh. 14, 1688. °वित्राकृतोक्तु (कर) KUMĀRAS. 5, 66. °जपापट्टं RĀGA-TAR. 4, 454. °कारमुकुटं KATHĀS. 43, 152. श्रनामुक्ता (रत्न) Spr. 94, v. l. bekleidet, geschmückt mit: श्राञ्जित्वास्तुभामुक्तकंधर BHĀG. P. 3, 28, 14. श्रामुक्तमिव पाषाण्डम् 4, 19, 12. nach dem Schol. in ein Ketzergewand gehüllt (also श्रामुक्त in transit. Bed.). — 2) ablegen (ein Kleidungsstück): सुताः सवसनाः काश्चित्काश्चिदामुक्तावाससः R. 5, 13, 35. — 3) befreien, loslassen: श्रामुक्ताः (श्रासक्ताः liest der Schol.) Spr. 3738. schleudern, werfen: ऐरावतः — सलिलम् — मेघेषामुञ्चते MBh. 3, 3553. श्रामोचयति त्वयि मधुकरश्रेणिदीर्घान्कटातान् Megh. 36. — Vgl. श्रामोचन. — पर्यां rund herum ablösen und abnehmen: घटं पर्यामुञ्चति (von der Töpferscheibe) GAUDAP. zu SĪMĀKJAK. 67.

— व्यां entlassen, von sich lassen: व्यामुञ्चेत्पवनमथ मार्गेण खमपोः PAÑKĀR. 3, 1, 19.

— उद्दु auflösen, losmachen: उडुत्तमं मुमुचि नः पार्श्वम् RV. 1, 28, 21. AV. 3, 11, 8, 6, 112, 2, 8, 7, 10. med. 2, 10, 6. ÇAT. BR. 6, 7, 2, 8. उद्दुमुच्ये ich habe mich losgemacht AV. 14, 1, 57. लेखमुमुच्य aufmachen, erbrechen RĀGA-TAR. 3, 235. ausziehen, ablegen: मेखलाम् PĀR. GRH. 2, 6. कृष्णाजिनम् AIT. BR. 1, 3. विभूषणान्युमुच्युः BHATT. 3, 22. उन्मुच्ये DAÇAK. in BENF. CHR. 187, 2. उन्मुक्तपुष्पवापो मनोभवः KATHĀS. 32, 201. भावमासुरमुमुच्ये BHĀG. P. 7, 6, 24. ऋणमुमुच्य देवानामुषीणां च die Schuld abtragen MBh. 13, 2200. Jmd befreien R. 1, 1, 74. 6, 84, 26. KATHĀS. 38, 102. बन्धनात् PANĀT. 38. 24. पाशात् 192, 6. स्वस्त्येव हेतोःमुच्यते kommt los, ist gerettet AIT. BR. 2, 7, 3, 14. verlassen: श्रयमुमुच्य KATHĀS. 52, 197. HARIV. 12023 (?). entlassen, von sich geben, ausstossen: सिद्धानां वदनोःमुक्ताः — स्तुतयः HARIV. 11962. 12264. श्रार्त्ननादां हि यः पौरिहृन्मुक्तः R. 2, 52, 40. schleudern: न चक्रमुमुञ्चति मानुषे हरिः Spr. 3266. उन्मुक्तं am Ende eines comp. frei von, ermangelnd: मानोःमुक्तं VARĀH. BRH. S. 13, 21. प्रभञ्जनोःमुक्ता संध्या 30, 20. — Vgl. उन्मुच, उन्मुचन. — caus. lösen, aufbinden: उन्मुचनीया वेणी Megh. 89, v. l. ablösen, abnehmen: तेषामुन्मुच्य चतुर्णां शीर्षपट्टकान् KATHĀS. 13, 190. Jmd befreien MBh. 12, 5664. R. GORR. 1, 1, 79. KATHĀS. 22, 195. बन्धनात् 67, 46. PANĀT. 37, 20. 237, 22. न विक्रमो न चाप्यर्थो न मित्रं न सुकृञ्जनः । तथोन्मुचयते दुःखाद्यथात्मा स्थिरसंयमः ॥ MBh. 11, 185.

— उप med. sich Etwas anziehen, z. B. Schuhe: उपानहे TBa. 1, 7,